बिहार कृषि विश्वविद्यालय

बिहार राज्य मिट्टी और जल संसाधनों के प्राकृतिक धरोहर की रमणीयता के साथ–साथ वातावरण के विभिन्न आयामों के कारण अनेक प्रकार के कृषि उत्पादन की वृहत संभावनायें प्रस्तुत करता है। बिहार कृषि महाविद्यालय देश के सबसे पुराने कृषि महाविद्यालयों में से एक है, जिसकी स्थापना वर्ष 1908 में की गयी थी। बिहार कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 05 अगस्त, 2010 को राज्य के दूसरे कृषि विश्वविद्यालय के रूप में हुयी। इसकी स्थापना नई कृषि तकनीकों के माध्यम से किसानों की आर्थिक स्थिति के साथ उनके जीवन में गुणवत्तापूर्ण सुधार के लिए हुई है। विश्वविद्यालय इस लक्ष्य को अपने अंगीकृत महाविद्यालयों, अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के सुदृढ़ तन्त्र के माध्यम से आवश्यकता आधारित कृषि शिक्षा, शोध, तकनीकी नव–प्रवर्तन, प्रसार तथा सामाजिक सेवाओं के द्वारा प्राप्त कर रहा है।

Bihar Agricultural University

Bihar state in gifted with gracious natural gift of soil and water resources as well as suitable agro-climatic conditions having vast potential of agricultural production of varied nature. Bihar Agricultural College. sabour in one of the oldest college of agriculture in the country established in the year 1908 in the district Bhagalpur. Bihar Agricultural University was established on 5th August, 2010 as the second agriculture university of the state. It has been established to improve and advance the farmers condition by improving the quality of life through new agricultural interventions. The university shall achieve this goal with the provision of need based agricultural education, research, technology, innovation, extension and public services through networks of colleges, research stations and Krishi Vigyan Kendra.

किसान मेला

किसान मेला विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण वार्षिक गतिविधि है। जो नवीनतम कृषि आधारित तकनीक और शोध के विकास पर उत्पादन/उत्पादकता/आमदनी को बढ़ाने के लिए जागरूकता प्रदान करता है। ऐसा आयोजन किसानों, कृषि उद्यमी, प्रसार कार्यकर्त्ताओं, ग्रामीण युवाओं से प्रतिक्रिया प्राप्त कर भावी अनुसंधान तथा प्रसार की प्राथमिकता की दिशा तय करता है। इस वर्ष मेले का आयोजन विशेष विषय–वस्तु ''कृषि उद्यमिता के लिए कौशल विकास'' रखते हुए किया जा रहा है।

Kisan Mela

The Kisan Mela is an important annual event of the versity for creating awareness about new agriculture -based technologies and farmer-friendly researches developed for enhancing the production, productivity and income levels. Such event is an Important source of getting feedback from farmers / agri-entrepreneurship / extension functionaries / rural youth which will be helpful in deciding research strategies and extension priorities of the university. This is being organized this year with the specific-them "Skill Development for Agrientrepreneurship."

कृषि उद्यमिता के लिए कौशल विकास

वर्ष 2017 में प्रस्तावित किसान मेला का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबद्ध विषयों पर आधारित कौशल विकास के कार्यक्रमों, अनुभवों एवं कार्य–कलापों को प्रदर्शित करना, आवश्यकता के अनुरूप उसके परिष्कृत प्रारूप को परिभाषित करना तथा लाभुक वर्ग को विभिन्न केन्द्रों के साथ जोड़ना है। ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कृषि व्यवसाय के लिए कुशल समूह तैयार करना आवश्यक है। कौशल विकास के माध्यम से कृषि एवं सबंद्ध विषयों के क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता को बड़ी आसानी से बढ़ाया जा सकता है और उत्पादन लागत को कम भी किया जा सकता है।

कृषि के क्षेत्र में कौशल विकास का प्रयास विभिन्न स्तर से किया जा रहा है, परन्तु अब समय आ गया है कि किसानों/युवाओं/कृषि उद्यमियों को कृषि आधारित रोजगार के लिए प्रशिक्षित करें और यह कौशल विकास के माध्यम से ही सम्भव है। बिहार राज्य में कौशल विकास के माध्यम से कृषि उद्यमिता की अपार संभावनाएँ हैं। विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित यह मेला कौशल विकास के विभिन्न आयामों को किसानों, कृषि उद्यमियों, प्रसार कार्यकर्त्ताओं सहित सभी कृषिजीवी व्यक्तियों के समक्ष प्रस्तुत करने का एक प्रयास है।

Skill Development through Agri-entrepreneurship

The Kisan Mela-2017 amis to provide an umbrella framework to all skill-based activities in agriculture, align them to common standards and link skilling with demand centres. A skilled workforce is a fundamental element of a vibrant rural livelihood strategy. The skill development through agri-entrepreneurship would help improve employability and productivity to pave the way forward for in culture growth in the country. While skill development in agriculture is being taken up by several stakeholders, it is time to make renewed and concerted efforts to accelerate agriculture growth through skill enhancement of workforce. Enterpreneurship based on innovation and skill development has immense growth potential which can also create new jobs in farming. The Mela will also provide information on innovative and farmer-friendly technologies developed by the University.

किसान मेला-2017 का मुख्य आर्कषण

- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए गये नवीनतम तकनीकों का प्रर्दशन
- विभिन्न प्रकार के बीजों/पौधा समाग्री का प्रर्दशन एवं विपणन
- किसानों द्वारा तैयार किए गये गुणसंवर्धन उत्पादों की प्रर्दशनी तथा विपणन
- बागवानी एवं पशुओं की प्रर्दशनी
- कृषि उत्पादनों की प्रर्दश्नी एवं विपणन
- बिहार में कृषि के विकास के लिए कृषि उद्यमिता पर परिचर्चा
- किसान गोष्ठी/प्रश्नोत्तरी/सांस्कृतिक कायक्रम
- प्रगतिशील किसानों को सम्मान
- बिहार कृषि विश्वविद्यालय के प्रायोगिक प्रक्षेत्रों पर किसानों का भ्रमण
- जीवंत प्रत्यक्षण

Attraction of Kisan Mela - 2017

- Display of advanced technologies development by University
- Display and sale of different varieties of seed/planting material
- Exhibition and sale of value added product developed by farmer
- Horticulture and animal show
- Agri-input exhibition and sale
- Agri-business meet on growth in agriculture in Bihar
- Kisan Gosthi/Quiz/Cultural programme
- Award of innovative/Progressive farmers
- Farmers visit to experimental plots of BAU
- Live Demonstration